gramodayachitrakoot.ac.in mgcgvchitrakoot.com

ग्रामोदय संदेश

● गुरुवार, 27 फरवरी, 2021 ● वर्ष 19 ● अंक 01 ● पेज 4 ● मूल्य : निःशुल्क ● वेबसाइट पर देखें ई-न्यूज लेटर

विश्वविद्यालय के मार्गदर्शक

श्रीमती आनंदी बेन पटेल
(राज्यपाल)

श्री गिरीश गौतम जी
(वि.स. अध्यक्ष)

श्री शिवराजसिंह चौहान जी
(मुख्यमंत्री)

डॉ. मोहन यादव जी
(उच्च शिक्षा मंत्री)

श्री कमल पटेल जी
(कृषि मंत्री)

भारत रत्न राष्ट्र ऋषि नानाजी की प्रतिमा का अनावरण 27 फरवरी को

ग्रामोदय विश्वविद्यालय में नाना जी की प्रतिमा स्थापना का सपना साकार

कुलपति एनसी गौतम की परिकल्पना लाई रंग

चित्रकूट। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय परिसर में कुछ दिनों पहले कुलपति प्रोफ़ेसर नरेश चंद्र गौतम ने एक परिकल्पना मन में संजोयी थी। श्री गौतम की सोच थी कि प्रख्यात समाजसेवी भारत रत्न राष्ट्रऋषि नाना जी देशमुख के नेक कार्यों से ग्रामोदय के विद्यार्थी परिचित हों, उनसे प्रेरणा लेकर ग्राम विकास के पथ पर चलते हुए आत्मनिर्भर भारत का निर्माण कर सकें। कुलपति गौतम की यही परिकल्पना आज जमीं पर उतर रही है। विश्वविद्यालय में 27 फरवरी 2021 को संस्थापक कुलाधिपति भारत रत्न राष्ट्र ऋषि नानाजी की प्रतिमा का अनावरण किया जाएगा। प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री डॉ मोहन यादव इस समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। कुलपति प्रोफेसर नरेश चंद्र गौतम कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ अजय कुमार ने बताया कि कुलपति गौतम की परिकल्पना के अनुरूप विश्वविद्यालय परिसर में नाना जी उपवन को सजाया संवारा जा रहा है। नव सज्जित इस उपवन में भारत रत्न राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख की 11 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर नाना जी की प्रतिमा की स्थापना और अनावरण किया जाएगा। नानाजी प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम के संयोजक प्रो अमरजीत सिंह ने बताया कि ग्रामोदय विश्वविद्यालय परिसर स्थित गांधी उपवन में 27 फरवरी 2021 को संत रविदास जयंती और नानाजी उपवन में नाना जी की प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम होगा।

ग्रामोदय परिसर के दो उपवनों में बिखरेगी गांधी जी और नाना जी की खुशबू

चित्रकूट। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के शाश्वत प्रेरणास्रोत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और विश्वविद्यालय की संकल्पना को साकार करने वाले भारत रत्न राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख विश्वविद्यालय की नींव हैं। उनकी स्मृतियों को यादगार बनाए रखने के लिए कुलपति प्रोफेसर नरेश चंद्र गौतम ने विश्वविद्यालय परिसर में गांधी जी और नाना जी के नाम पर दो अलग-अलग उपवन सुसज्जित करवा रहे हैं। पूर्व में स्थापित गांधी उपवन के बाजू में नानाजी उपवन को स्थापित किया गया है। गांधी उपवन में नानाजी ने अपने जीवन काल में ही

विश्वविद्यालय के मूर्ति कला के विद्वान शिक्षकों एवं कलाकारों के माध्यम से बापू की प्रतिमा निर्मित करवाकर स्थापित करा दी थी। कुलपति प्रो. नरेश चंद्र गौतम नानाजी की 11 वीं पुण्यतिथि पर नाना जी की प्रतिमा को स्थापित कराकर प्रतिमा अनावरण का कार्यक्रम समारोह पूर्वक संपन्न करा रहे हैं। गांधी जी और नाना जी के सिद्धांतों के रास्ते पर चल रहे महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय परिसर में नव सुसज्जित गांधी जी उपवन और नाना जी उपवन से विश्वविद्यालय परिसर महिमा मंडित हो रहा है।

कुलपति की कलम से...

महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में आज प्रख्यात समाजसेवी भारत रत्न राष्ट्रऋषि नाना जी देशमुख के नाम पर एक उपवन उद्घाटित हो रहा है। विश्वविद्यालय प्रांगण में स्थित इस उपवन में संस्थापक कुलाधिपति भारत रत्न राष्ट्र ऋषि नानाजी की प्रतिमा का अनावरण हो रहा है। सम्पूर्ण विश्वविद्यालय के लिए ये पल गौरव से भरने वाले हैं। विश्वविद्यालय में महात्मा गांधी जी का उपवन पहले से है। मेरे मन में कई वर्षों से ये विचार तैर रहा था कि विश्वविद्यालय परिसर में नाना जी उपवन भी बनाया जाए। आज वो घड़ी आ गई है। नव सज्जित इस उपवन का अनावरण भारत रत्न राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख की 11 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर किया जा रहा है। महात्मा गांधी और राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख विश्वविद्यालय की नींव हैं। ग्रामोदय विश्वविद्यालय केवल पुस्तकीय ज्ञान ही नहीं देता, बल्कि विद्यार्थियों को राष्ट्र निर्माण के रास्ते पर आगे बढ़ाने की सीख भी देता है। आज ग्रामोदय विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र (एलुमनी) गौरव बढ़ा रहे हैं। कई पूर्व विद्यार्थी सम्मानित पदों पर हैं। यही नहीं, विश्वविद्यालय से अपना कार्य प्रारंभ करने वाले अनेक लोग आज देश के शीर्ष संस्थाओं में उच्च पदों पर आसीन हैं। विश्वविद्यालय नानाजी देशमुख की स्मृति में एक विशेष पहल करने जा रहा है। ग्रामोदय विश्वविद्यालय अपने कृषि संकाय को नानाजी देशमुख की स्मृति में नवीन कृषि विश्वविद्यालय बनाने का प्रयास कर रहा है। मुझे आशा है कि ग्रामोदय विश्वविद्यालय अपने प्रयासों में सफल होगा...

सौजन्य भेंट...

विधानसभा अध्यक्ष महोदय से सौजन्य भेंट करते कुलपति प्रो. गौतम।

अष्टम दीक्षांत समारोह की झलकी

स्वतंत्रता और गणतंत्रता दिवस पर कुलपति ने दिलाई शपथ

आज़ादी को अक्षुण्ण रखते हुए संविधान की रक्षा प्रथम कर्तव्य

चित्रकूट। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय केवल पुस्तकी ज्ञान नहीं देता, बल्कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को राष्ट्र निर्माण के रास्ते पर आगे बढ़ाने की सीख भी देता है।

ये बात कुलपति प्रो. नरेश चंद्र गौतम की परिकल्पना में भी परिलक्षित होती है। यही कारण है कि देश की स्वतंत्रता और गणतंत्र के अवसर पर विश्वविद्यालय में परंपरागत ढंग से कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। इन राष्ट्रीय पर्वों में विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र छात्रा पूरी निष्ठा और उत्साह के साथ भाग लेते हैं। कुलपति प्रो. गौतम ने 15 अगस्त 2020 को स्वतंत्रता दिवस समारोह में ध्वजारोहण करते हुए कहा कि हम सभी के लिए राष्ट्रहित सबसे ऊपर है। प्रोफेसर नरेश चंद्र गौतम ने स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को बताते हुए अपने उद्बोधन में सभी से आजादी को अक्षुण्ण बनाए रखने का आह्वान किया। वहीं, गणतंत्र दिवस के अवसर पर 26 जनवरी 2021

को कुलपति प्रोफेसर नरेश गौतम ने गणतंत्रता पर्व के महत्व को बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षक हों या विद्यार्थी, कर्मचारी हों या अधिकारी। सभी को अपने दायित्वों का निर्वाहन भारतीय संविधान के अनुरूप करना चाहिए। देश के संविधान की रक्षा करना प्रथम कर्तव्य होना चाहिए।

भव्य आयोजन में दिखी विश्वविद्यालय की प्रतिभा

चित्रकूट। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय का स्थापना पर्व 8 फरवरी 2021 से 12 फरवरी 2021 तक आयोजित किया गया। प्रतिवर्ष आयोजित इस स्थापना पर्व के अवसर पर बौद्धिक, ललित कला, सांस्कृतिक, खेलकूद एवं योग की विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। इस विशेष पर्व को ग्रामोदय महोत्सव के नाम से जाना जाता है। इस वर्ष भी ये पर्व धूम धाम से आयोजित हुआ। 8 फरवरी को कुलपति प्रोफेसर नरेश चंद्र गौतम एवं प्रबंध मंडल के सदस्य डॉ. अभय महाजन के कर कमलों द्वारा उद्घाटित ग्रामोदय महोत्सव का समापन 12 फरवरी 2021 को हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी डॉ वीके जैन रहेादीन दयाल शोध संस्थान के संगठन सचिव व ग्रामोदय विश्वविद्यालय प्रबंध मंडल के सदस्य डॉ अभय महाजन विशिष्ट अतिथि रहे। अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर नरेश चंद गौतम ने की। 5 दिनों तक संपन्न प्रतियोगिताओं में श्रेष्ठ स्थान पाने वाले छात्र छात्राओं को अतिथियों ने पुरस्कार वितरित किए गए। ज्ञातव्य हो कि ग्रामोदय विश्वविद्यालय के छात्र छात्राएं शैक्षिक उत्कृष्टता के साथ अन्य विधाओं में भी सुयोग्य है। इनकी प्रतिभाओं को पहचानने और उचित मंच प्रदान करने के लिए पांच दिवसीय ग्रामोदय महोत्सव का आयोजन स्थापना दिवस समारोह से जोड़कर किया जाता है। पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ वीके जैन ने इस विश्वविद्यालय के शिलान्यास और स्थापना काल से अपने जुड़ाव को प्रदर्शित करने वाले संस्थापक नाना जी और उनके बीच के संस्मरण सुनाए। विशिष्ट अतिथि डॉ अभय महाजन ने कहा कि नानाजी ने पंडित दीनदयाल जी के सपनों को साकार करने के लिए अपने जीवन के अंतिम 20 वर्ष चित्रकूट को दिए। ग्रामोदय विश्वविद्यालय नाना जी के अभिनव ग्रामीण विकास मॉडल के रूप में सार्थक योजना और सफल रचना का परिणाम है। डॉ महाजन ने कहा कि नाना जी के ग्रामीण विकास दर्शन को यथार्थ के धरातल देने के लिए ग्रामोदय विश्वविद्यालय पूरी तरह संकल्पित है। कुलपति प्रोफेसर गौतम ने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि ब्रांड अंबेसेडर के रूप में ग्रामोदय विश्वविद्यालय के प्रयासों को प्रसारित प्रसारित करें। ग्रामोदय महोत्सव के संयोजक प्रो आई पी त्रिपाठी ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया। संचालन प्रो वीरेंद्र कुमार व्यास ने किया।इस दौरान कुलसचिव डॉ अजय कुमार सहित विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, कर्मचारी, छात्र-छात्राओं उपस्थित रहे।

ग्रामोदय में पर्यावरण संरक्षण की मिसाल

छात्रा प्रिया त्रिपाठी ने किया श्रेष्ठ प्रदर्शन

चित्रकूट। ग्रामोदय विश्वविद्यालय पर्यावरण संरक्षण के लिए कई गतिविधि आयोजित करता है। यही कारण है कि पर्यावरण जागरूकता संबंधी राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय में विज्ञान स्नातक की छात्रा कु. प्रिया त्रिपाठी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। स्थापना दिवस के अवसर पर छात्रा कुमारी प्रिया त्रिपाठी को सम्मानित किया गया।

विश्वविद्यालय का सुयश : ग्रामोदय के पूर्व विद्यार्थी बढ़ा रहे विश्वविद्यालय का गौरव

चित्रकूट। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र (एलुमनी) गौरव बढ़ा रहे हैं। एक नहीं बल्कि सैकडों की संख्या में विद्यार्थियों ने एक अलग मुकाम हासिल किया है। इन्हीं में से कुछ छात्र एक अलग मुकाम पर हैं।

इंजीनियरिंग से विधानसभा तक

इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में अध्ययन कर चुके ग्रामोदय विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र इं. निलांशु चतुर्वेदी पिछले दो बार से चित्रकूट विधानसभा (म.प्र) से विधायक हैं। इसके पूर्व इं. चतुर्वेदी चित्रकूट नगर पंचायत के अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

एसडीएम बनकर फहराया परचम

ग्रामोदय विश्वविद्यालय से इंजीनियरिंग स्नातक करने वाले अजीत प्रताप सिंह ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की प्रतिष्ठित परीक्षा में श्रेष्ठ प्रदर्शन किया। वे वर्ष 2021 में एसडीएम पद पर चयनित हुए हैं।

सहायक प्राध्यापक में सर्वोच्च

ग्रामोदय विश्वविद्यालय में हिंदी की शोधार्थी रहीं अनुराधा ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग में विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया। अनुराधा ने सहायक अध्यापक हिंदी की परीक्षा में सर्वश्रेष्ठ अंक प्राप्त किया है।

नाना जी देशमुख के बारे में...

नाना जी देशमुख का पूरा नाम चंडिकादास अमृतराव देशमुख था। नानाजी देशमुख का जन्म महाराष्ट्र राज्य के परभनी ज़िले के एक छोटे से गाँव 'कदोली' में 11 अक्टूबर, 1916 ई. को हुआ था। इनके पिता का नाम श्री अमृतराव देशमुख तथा माता का नाम श्रीमती राजाबाई अमृतराव देशमुख था। नानाजी का जीवन सदैव अनेकों घटनाओं से परिपूर्ण रहा। उनका अधिकतर समय संघर्षों में ही व्यतीत हुआ था। अपनी अल्प आयु में ही उन्होंने अपने माता-पिता को खो दिया। ये उनके मामा जी ही थे, जिन्होंने उन्हें पाला-पोसा और बड़ा किया। नानाजी का बचपन काफ़ी हद तक अभावों में बीता था। अपनी स्कूल की शिक्षा के दौरान भी उनके पास किताबें आदि ख़रीदने के लिए पैसे नहीं होते थे, लेकिन उनके अन्दर ज्ञान तथा शिक्षा प्राप्त करने की अटूट अभिलाषा विद्यमान थी, जिसे वे हर हाल में पाना चाहते थे। वे मन्दिरों में भी रहे और अपनी पढ़ाई जारी

रखने के लिए सब्ज़ी बेचकर पैसे कमाए। 'बिरला इंस्टीट्यूट', पिलानी से नानाजी ने उच्च शिक्षा प्राप्त की थी। बाद के दिनों में तीस के दशक में वे 'आर.एस.एस.' में शामिल हो गए।

नानाजी देशमुख शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण लोगों के बीच स्वावलंबन के लिए किए गए कार्यों के लिए सदैव याद किए जाते हैं। भारतीय जनसंघ के संस्थापक रहे नानाजी ने 60 साल की आयु के बाद राजनीति से सन्यास ले लिया था। अपना शेष जीवन उन्होंने चित्रकूट के गाँवों का कल्याण करने में बिताया और उनके विकास की एक नई गाथा लिखी। नानाजी देशमुख को मरणोपरांत देश का सर्वोच्च पुरस्कार भारत रत्न दिया गया। जनता सरकार बनने के बाद सरकार के बजाय जेपी के साथ रहने वालों में नानाजी भी एक थे। लेकिन मोरारजी ने जनता पार्टी के तब के जनसंघ घटक में से जिन तीन लोगों को मंत्री बनाने का ऐलान किया उनमें एक नानाजी थे। नानाजी को उद्योग मंत्री होना था। नानाजी नहीं बने। फिर सालभर बाद राजनीति से संन्यास लेकर रचनात्मक कार्य में लगने की घोषणा की और उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में बैठ गए। वहां जयप्रभा ग्राम चल रहा है। दिल्ली में उन्होंने अपने मित्र दीनदयाल उपाध्याय के नाम पर एक शोध संस्थान बनाया है जो देशभर में काम करता है। चित्रकूट में का ग्रामोदय विश्वविद्यालय भी गांधी के ग्राम स्वराज्य की कल्पना को साकार करने का प्रयोग है।

ग्रामोदय से कैरियर की शुरुआत

अब देश के शीर्ष पदों पर हैं काबिज

चित्रकूट। भारत रत्न राष्ट्र ऋषि नानाजी देशमुख की संकल्पना एवं कार्यशैली पर मध्य प्रदेश सरकार द्वारा स्थापित महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय की ख्याति पूरे देश में है। इस विश्वविद्यालय से अपना कार्य प्रारंभ करने वाले अनेक लोग आज देश के शीर्ष संस्थाओं में उच्च पदों पर आसीन हैं।

इं सुधांशु त्रिवेदी

श्री सुधांशु त्रिवेदी राज्यसभा में निर्विरोध सांसद चुने गए। अपने ज्ञान, विवेक और प्रस्तुत कौशल के दम पर वे भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता पद तक पहुंचे हैं और अपने ज्ञान के दम पर प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं।

पद्मश्री वैद्य डॉ राजेश कोटेचा

पद्मश्री वैद्य डॉ राजेश कोटेचा केंद्र सरकार के आयुष मंत्रालय में सचिव के पद पर आसीन हैं। इन्हें आईएएस का दर्जा प्रदान कर केंद्र सरकार ने आयुष मंत्रालय को

मार्गदर्शन करने का अवसर दिया है। पूर्व में वैद्य डॉक्टर कोटेचा जामनगर विश्वविद्यालय के कुलपति भी रह चुके हैं।

प्रो. विनय पाठक

प्रोफेसर विनय पाठक पिछले दो कार्यकाल से एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय लखनऊ के कुलपति हैं। पूर्व में प्रोफेसर पाठक उत्तराखंड विश्वविद्यालय के कुलपति भी रह चुके हैं।

प्रो. राजाराम यादव

प्रोफेसर राजाराम यादव वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर के कुलपति रह चुके हैं।

प्रोफेसर कपिल देव मिश्रा

प्रोफेसर कपिल देव मिश्रा रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर में दो कार्यकाल से सतत कुलपति हैं।

प्रो. योगेश चंद्र दुबे

प्रोफेसर योगेश चंद्र दुबे जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय चित्रकूट के कुलपति हैं।

प्रोफेसर आरूप कुमार गुप्ता

प्रोफेसर आरूप कुमार गुप्ता महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलपति रह चुके हैं।

प्रोफेसर योगेश उपाध्याय

प्रोफेसर योगेश उपाध्याय आईटीएम ग्वालियर के कुलपति रह चुके हैं।

स्वामित्वाधिकारी एवं प्रकाशक डॉ. अजय कुमार, कुलसचिव, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित। संरक्षक : प्रो. नरेन्द्र चंद्र गौतम, संपादक मंडल : प्रो. आई पी त्रिपाठी, प्रो. अमरजीत सिंह, प्रो. डी पी राय, प्रो. नंदलाल मिश्रा, प्रो. शशिकांत त्रिपाठी, प्रो. वीरेन्द्र कुमार व्यास, डॉ. आंजनेय पाण्डेय, डॉ. कुसुम सिंह, डॉ. प्रसन्न पाटकर, संपादक : जय प्रकाश शुक्ल